IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

बालिका स्वास्थ्य व षिक्षा से संबंधित योजनाओं के प्रति उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की जागरूकता का अध्ययन

निर्देशिका

डॉ. आरती गुप्ता

असिस्टेंट प्रोफेसर

प्रस्तुतकर्त्री

मोनिका शेखावत

एम.एड.छात्रा

सारांश –

सरकार ने बालिका व महिला स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हेतु निदेशालय महिला अधिकारिता एवम् बाल विकास विभाग के संयुक्त तत्वाधान में 19 नवम्बर 2021 को ''उड़ान योजना'' का शुभारम्भ किया जिससे बालिकाओं को प्रथम चरण में राजकीय विद्यालयों एवं चयनित आंगनबाड़ी केन्द्रों पर सेनेटरी नेपकिन वितरण व आगामी चरण में अन्य षिक्षण संस्थानों में व अन्य आंगनबाड़ी केन्द्रों पर निःशुल्क सेनेटरी नैपकिन वितरण किया जाएगा।

इसके अलावा मुख्यमंत्री द्वारा बालिकाओं के प्रति समाज में सकारात्मक सोच विकसित करने एवम् उनके स्वास्थ्य तथा शैक्षणिक स्तर में सुधार हेतु ''मुख्यमंत्री राजश्री योजना'' शुरू की। इस योजना के तहत 1 जून 2016 या उस के बाद जन्म लेने वाली बालिकाएँ लाभ की पात्र होगी।

प्रस्तुत अध्ययन में शोधकर्त्री द्वारा सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है और आंकड़ों के संग्रहण हेतु स्वनिर्मित प्रश्नावली का प्रयोग किया है। न्यादर्श के रूप में जयपुर शहर के निजी व सरकारी विद्यालय के 120 विद्यार्थियों का चयन किया गया है। निष्कर्ष के रूप में कहा जा सकता है कि बालिका स्वास्थ्य व शिक्षा से संबंधित योजनाओं के प्रति उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में जागरूकता पाई जाती है।

प्रस्तावना –

''स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन है।''

''स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है।''

उक्त पंक्तियाँ स्वास्थ्य की महता को परिलक्षित करती है जिस देश की जनसंख्या स्वस्थ होगी वह देश समूचे विश्व में विकसित देशों की श्रेणी में अग्रिम पंक्ति में सम्मिलित होगा।

भारत युवा देष है जिसमे सबसे ज्यादा आबादी युवा है। 15–30 वर्ष की आयु के लोगों को

युवा जनसंख्या माना जाता हैं उस हिसाब से देश की 27ः आबादी युवा है।

यूनडीपी ;न्छक्व्द्ध के आँकड़ों के मुताबिक दुनिया में 121 करोड़ युवा है जिसमें सबसे ज्यादा 21ः भारतीय है। किशोर जनसंख्या भी भारतीय जनसंख्या में उत्तरोत्तर अधिक है।

इस योजना के उद्देश्य निम्नलिखित है –

1. राज्य में ''बालिका जन्म'' के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार करते हुए बालिका का समग्र विकास करना।
2. बालिकाओं के लालन–पालन, शिक्षण व स्वास्थ्य के मामले में होने वाले लिंग भेद को रोकना एवं बालिकाओं का बेहतर शिक्षण व स्वास्थ्य सुनिष्चित करना।
3. संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देकर मातृ–मृत्यु दर में कमी लाना।
4. बालिका शिशु मृत्यु दर में कमी लाना एवम् घटते बाल–लिंगानुपात को सुधारना।
5. बालिका का विद्यालयों में नामांकन एवं ठहराव सुनिश्चित करना।
6. बालिका को समाज में समानता का अधिकार वितरण।

राजश्री योजना के तहत बेटियों को 50,000 रू. की सहायता मिलेगी। जो किस्तों के माध्यम से दी जाती है –

- जन्म के समय – रू. 2500
- 1 वर्ष के टीकाकरण पर – रू. 2500
- पहली कक्षा में प्रवेष पर – रू. 4000
- कक्षा–6 में प्रवेश पर – रू. 5000
- कक्षा–10 में प्रवेश पर – रू. 11000
- कक्षा–12 उत्तीर्ण करने पर – रू. 25000

समस्या का औचित्य –

प्रस्तुत शोध में शोधकर्त्री ने महिला व बालिका स्वास्थ्य से संबंधित पूर्व में हुए शोध कार्यो का अध्ययन किया और इस कार्य का चुनाव किया। शिक्षा के माध्यम से समाज में जागरूकता फैलाई जा सकती है।

सरकार द्वारा बालिकाओं की शिक्षा व स्वास्थ्य से संबंधित अनेक योजनाएं संचालित की जाती है जिससे उन्हें सामाजिक सुरक्षा व स्वच्छता संबंधी सुरक्षा का संज्ञान हो।

अतः प्रस्तुत शोध का औचित्य यह ज्ञात करना है कि सरकार द्वारा चलाई गई योजनाओं के प्रति समाज कितना जागरूक व सजग है।

तकनीकी शब्दों का परिभाषीकरण –

(क) स्वास्थ्य – विष्व स्वास्थ्य संगठन ;भ्व्द्ध ने सन् 1948 में स्वास्थ्य की परिभाषा दी – दैहिक, मानसिक और सामाजिक रूप से पूर्णतः स्वस्थ होना (समस्या – विहिन होना) ही स्वास्थ्य है।

2. माहवारी – माहवारी या मासिक चक्र महिलाओं व बालिकाओं में होने वाला शारीरिक परिवर्तन है जो यौवनावस्था की शुरूआत में देखा जा सकता है

(ग) जागरूकता – इसका अर्थ है – निद्रा शून्यता, संचेतता, जागरणशीलता। जागरूकता एक मानसिक भाव है जिसका अर्थ है – बोध सहित जानना।

शोध के उद्देश्य –

1. उच्च माध्यमिक स्तर के निजी व राजकीय विद्यालय की छात्राओं में बालिका शिक्षा व स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता का अध्ययन करना।
2. उच्च माध्यमिक स्तर के निजी व राजकीय विद्यालय की छात्राओं में उड़ान योजना के प्रति जागरूकता का अध्ययन करना।
3. उच्च माध्यमिक सतर के राजकीय व निजी विद्यालय की छात्राओं में राजश्री योजना के प्रति जागरूकता का अध्ययन करना।

,

शोध के परिकल्पना –

1. उच्च माध्यमिक स्तर के निजी व राजकीय विद्यालय की छात्राओं में बालिका शिक्षा व स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।
2. उच्च माध्यमिक स्तर के निजी व राजकीय विद्यालय की छात्राओं में उड़ान योजना के प्रति जागरूकता में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।

3. उच्च माध्यमिक सतर के राजकीय व निजी विद्यालय की छात्राओं में राजश्री योजना के प्रति जागरूकता में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।

शोध की विधि –

प्रस्तुत शोध कार्य में शोधकर्त्री द्वारा सर्वेक्षण विधि का चयन किया गया है।

जनसंख्या –

प्रस्तुत अध्ययन में जयपुर जिले के निजी व सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों को जनसंख्या के रूप में चयन किया गया है।

शोध में प्रयुक्त न्यादर्श –

प्रस्तुत शोध कार्य हेतु न्यादर्श के रूप में उच्च माध्यमिक स्तर के राजकीय व निजी विद्यालय की (60+60 छात्राओं) का चयन किया जाएगा।

शोध में प्रयुक्त उपकरण –

शोधकर्त्री द्वारा उपकरण के रूप में स्वनिर्मित प्रश्नावली का प्रयोग किया गया है।

सांख्यिकीय प्रविधियाँ –

प्रस्तुत शोध कार्य में सांख्यिकी के रूप में प्रतिशत का प्रयोग किया गया है।

शोध का परीसीमांकन –

1. समस्या का क्षेत्र व्यापक होने के कारण सम्पूर्ण क्षेत्र का अध्ययन संभव नहीं है अतः प्रस्तुत अध्ययन जयपुर जिले तक ही सीमित किया गया।
2. प्रस्तुत शोध कार्य के लिए राजकीय विद्यालय के 60 विद्यार्थियों को लिया गया।
3. प्रस्तुत शोध कार्य उच्च माध्यमिक स्तर की निजी विद्यालय की 60 छात्राओं पर किया गया।
4. प्रस्तुत शोध में स्वनिर्मित उपकरण प्रश्नावली का प्रयोग किया गया।

आँकड़ों का विश्लेषण –

परिकल्पना – 1

सरकारी व निजी विद्यालय की छात्राओं में मासिक धर्म व उससे संबंधित उड़ान योजना के प्रति जागरूकता में विशेष अंतर नहीं है।

तालिका – 1

श्रेणी	छात्राओं की संख्या	प्रतिशत
राजकीय विद्यालय	60	68.80
निजी विद्यालय	60	69.04

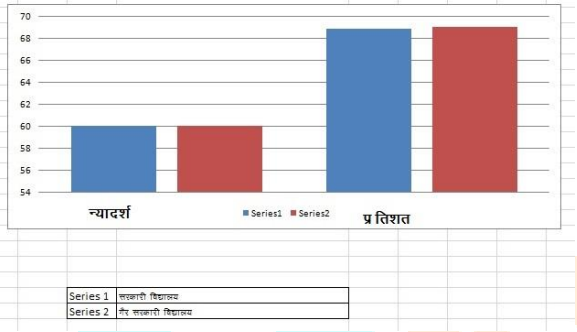

Series 1	सरकारी विद्यालय
Series 2	तैर सरकारी विद्यालय

उपरोक्त सारणी से अवलोकन से स्पष्ट होता है कि राजकीय विद्यालय की छात्राओं में मासिक धर्म व उड़ान योजना के प्रति 68.80 प्रतिशत जागरूकता पाई जाती है तथा निजी विद्यालय की छात्राओं में मासिक धर्म व उड़ान योजना के प्रति 69.04 प्रतिशत जागरूकता पाई जाती है। अतः इसका तात्पर्य है कि राजकीय व निजी विद्यालय की छात्राओं में इससे संबंधित जागरूकता में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

शोध निष्कर्ष –

1. उच्च माध्यमिक स्तर के निजी व राजकीय विद्यालय की छात्राओं में बालिका शिक्षा व स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता में सार्थक अंतर नहीं पाया गया।
2. उच्च माध्यमिक स्तर के निजी व राजकीय विद्यालय की छात्राओं में उड़ान योजना के प्रति जागरूकता में सार्थक अंतर नहीं पाया गया।
3. उच्च माध्यमिक सतर के राजकीय व निजी विद्यालय की छात्राओं में राजश्री योजना के प्रति जागरूकता में सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

भावी शोध हेतु सुझाव –

कोई भी शोधकार्य अपने आप में सम्पूर्णता लिए नहीं है। प्रस्तुत शोधकार्य बालिका स्वास्थ्य व शिक्षा से संबंधित जागरूकता का अध्ययन करने का लघु प्रयास है अतः कुछ संशोधन वांछनीय है –

- प्रस्तुत शोध में न्यादर्श के रूप में राजकीय व निजी विद्यालय की छात्राओं का चुनाव किया गया। अतः ग्रामीण व शहरी क्षेत्र की बालिकाओं को सम्मिलित करना भी वांछनीय है।
- बालिका शिक्षा व स्वास्थ्य से संबंधित योजनाओं के प्रति जागरूकता का विस्तृत स्तर पर अध्ययन वांछनीय है।

अतः शोधार्त्री द्वारा लघु प्रयास है अतः इस क्षेत्र में विस्तृत अध्ययन किया जाना उचित है।

संदर्भ ग्रंथ सूची –

- https://cmo.rajasthan.gov.in
- https://rajshaladarpan.nic.in
- https://wcd.rajasthan.gov.in

- दैनिक भास्कर
- बालिका शिक्षा फाउण्डेशन की योजनाओं के प्रति जागरूकता का अध्ययन (लघु शोध) चंचल शर्मा
- उच्च प्राथमिक स्तर की छात्राओं में मासिक धर्म के प्रति जागरूकता का अध्ययन (लघु शोध) विकास कुमारी